इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बेहतर पॉलिसी-जागरुकता की जरूरत

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन के विषय पर परिचर्चा

जयपुर @ पत्रिका. कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी की ओर से शुक्रवार को एमआइ रोड स्थित होटल में 'राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन' पर परिचर्चा हुई। इसमें राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लि. के एमडी राकेश चौपड़ा ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की कमी उपभोक्ताओं को हताश कर रही है। राजस्थान में इलेक्ट्रिक व्हीकल को आगे बढ़ाने के लिए सरकार को पहल करनी होगी। इसके लिए बेहतर पॉलिसी लानी होगी। राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक दिनेश पहाड़िया ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दिए जाने वाले अतिरिक्त लाभों की जानकारी दी। सेमिनार में आयोजित पैनल चर्चा में हितधारकों ने राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में आ रही बाधाओं को लेकर सवाल किए। सांवारू टेक्नोलॉजी लिमिटेड निदेशक सुनील भटनागर ने कहा कि राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी है।

एवीएल इंडिया प्रा. लि. में प्रशिक्षण और कौशल निदेशक राकेश त्यागी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति जागरुकता पैदा करने के साथ-साथ ईवी निर्माण का स्वदेशीकरण समय की आवश्यकता है। कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसाइटी के सहायक नीति विश्लेषक आकाश शर्मा ने देश में बैट्री निर्माण और आयात निर्भरता संबंधी समस्याओं के समाधान पर प्रकाश डाला। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर के सहायक प्रोफेसर अरुण कुमार वर्मा ने वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती लागत के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों के महत्व और परिवर्तन की आवश्यकता के बारे में बताया।